'डेढ़ साल में कोटपूतली-बहरोड़ को 4500 करोड़ रू. विकास के लिए दिये'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने गिरुड़ी ग्राम पंचायत में अंत्योदय शिविर में लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र दिये

कोटपूतली, 4 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को शाम को बानसूर की निकटवर्ती ग्राम पंचायत गिरुड़ी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवड़ा शिविर का अवलोकन किया तथा योजनाओं के लाभान्वितों से बातचीत की।

इस दौरान, जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल शिविर हमारा संकल्प है। राजस्थान सरकार शिविर के माध्यम से हर घर तक योजनाओं को लेकर जा रही है। चाहे वह उज्ज्वला गैस योजना हो, वृद्धावस्था पेंशन, किसानों के लिए मुख्यमंत्री फसल बीमा योजना, छात्रवृत्तियां, जन आवास योजनाएं या रोजगार बढ़ाने के प्रयास। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 तक किसानों को दिन में बिजली मिलने लगेगी तथा घरेलू बिजली 24 घंटे मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बानसूर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा शिविर को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कई योजनाओं के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र व स्कूटी वितरित की।

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले डेढ़ साल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ। सरकार ने वादा किया था कि युवाओं को 5 साल में चार लाख नौकरियाँ देगी।

उनके लिए सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि कोटपूतली बहरोड़ जिले को डेढ़ साल में साढ़े चार हजार करोड़ रुपये विकास के लिए दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2027 तक किसानों को दिन में बिजली मिलने लगेगी एवं 24 घंटे घरेलू बिजली मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजबपुरा सरपंच प्रियंका नरूका और हमीरपुर सरपंच सीता सैनी को टीबी-मुक्त ग्राम पंचायत बनाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और अन्य योजनाओं में लाभार्थियों को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री का साफा पहनाकर स्वागत किया और बानसूर कस्बे में सीवर लाइन डालने, रामपुर ग्राम पंचायत को नगरपालिका बनाने व हरसौरा को तहसील बनाने की मांग की।

इस अवसर पर विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़ ने भी सभा को सम्बोधित किया। कोटपुतली, बहरोड़ जिला प्रभारी मंत्री विजय चौधरी, कोटपुतली विधायक हंसराज पटेल, बानसूर विधायक देवीसिंह शेखावत, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़,बहरोड़ विधायक जसवंत यादव पूर्व मंत्री राजेंद्र यादव, शशिकांत बोहरा, जिला अध्यक्ष सहित, बड़ी संख्या में भाजपाई इस अवसर पर मौजूद थे।

'भगवान को न्याय में देखें ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से कहा था कि जजों को देवताओं से जोड़ने की प्रवृत्ति गलत है। उन्होंने कहा था कि जज का कर्तव्य जनहित की सेवा करना है और उन्होंने चेतावनी दी थी कि कोर्ट न्याय का मंदिर है यह कहना एक गंभीर खतरा है।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कोलकाता में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा था। "जब हमें मान्यवर या लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है, तो यह एक बहुत ही गंभीर खतरा है और लोग कहते हैं कि कोर्ट न्याय का मंदिर है।

यह एक गंभीर खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में देवता के रूप में देख सकते हैं।"

उन्होंने यह भी कहा था, "इसलिए मैं अपने बारे में बात करते हुए कहूं तो, हालांकि मेरे अपने व्यक्तिगत मूल्य हैं जो मेरे काफी करीब हैं, मुझे थोडा संकोच होता है जब मुझे कहा जाता है कि यह न्याय का मंदिर है, क्योंकि मंदिर यह मानता है कि न्यायाधीश देवता की स्थिति में होते हैं।"

कोलकाता रेपः केस पुलिस ने क्राइम सीन रीक्रिएट किया

कोलकाता, 04 जुलाई। कोलकाता में लॉ की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप मामले में पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में मुख्य आरोपी समेत कुल चार को गिरफ्तार किया है। जिनसे पूछताछ जारी है। कोलकाता पुलिस ने आज सुबह इस घटना को लेकर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया। इस दौरान सभी चार आरोपी पुलिस के साथ ही मौके पर मौजूद रहे। पुलिस ने आरोपी को करीब 5 घंटे घटनास्थल पर ही रखा। सीन रीक्रिएट करने के बाद आरोपियों को वापस लेकर जाया गया।

पुलिस की जांच के बीच मोनोजीत मिश्रा को लेकर कई बड़े और चौकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों के अनुसार आरोपी मोनोजीत मिश्रा का लम्बा आपराधिक इतिहास रहा है। उस पर 11 आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोलकाता पुलिस के टॉप सूत्रों ने एनडीटीवी को बताया कि इनमें से कई मामले महिलाओं के साथ छेड़खानी और उनके साथ बदसलूकी के हैं। मोनोजीत इन सभी मामलों में जमानत पर चल रहा था। पीड़िता कॉलेज में पहले दिन से मोनोजीत के निशाने पर थी।

- पुलिस चारों गिरफ्तार आरोपियों को लॉ कॉलेज लेकर गई।

25 जून को हुए पीड़िता के साथ सामुहिक दुस्कर्म के बाद से मुख्य आरोपी मनीजित मिश्रा ने कुछ भरोसेमंद साथियों को कॉलेज में रुककर कासबा पुलिस स्टेशन के आसपास निगरानी करने को कहा था। कॉलेज से पुलिस स्टेशन करीब एक किलोमीटर दूर है।

इसके बाद वह दूसरे आरोपी प्रमित मुखर्जी और जैब अहमद के साथ कॉलेज से निकल गया।अगले दिन सुबह मोनोजित ने एक कॉलेज अधिकारी को कॉल किया और पुलिस के आने के बारे में पूछा। उसी दिन प्रमित ने एक वकील से संपर्क किया और दोनों ने कॉलेज के कई वरिष्ठ छात्रों से भी मदद मांगी।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने माधोगढ़ में थानागाजी विधायक कांति मीणा के पेट्रोल पंप उद्घाटन व सवामणी कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने उनका कई जगह पर माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

'केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार को महंगाई व बेरोजगारी की फिक्र नहीं'

सचिन पायलट ने थानागाजी विधायक के पेट्रोल पंप के उद्घाटन व सवामणी में भाग लिया

- पायलट का प्रतापगढ़, पडाक छापली, चौसला, आगर आदि विभिन्न स्थानों पर माला व साफा पहना कर स्वागत किया गया। पायलट के कार्यक्रम में भंवर जितेन्द्र सिंह, सांसद मुरारी लाल मीणा, दौसा, राजगढ़, मुंडावर, किशनगढ़बास, शाहपुरा के विधायक व कई पूर्व विधायक भी मौजूद थे।

प्रतापगढ़ , 4 जुलाई (निस)। समीपवर्ती गांव माधोगढ़ में एक निजी कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट का प्रतापगढ़ , पडाक-छापली, चौसला, आगर सहित, विभिन्न जगहों पर कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया।

माधोगढ़ में थानागाजी विधायक कांति मीणा के पेट्रोल पंप उद्घाटन व सवामणी कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस संगठन महासचिव सचिन पायलट, पूर्व मंत्री भंवर जितेन्द्र सिंह, दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा, दौसा विधायक डीसी बेरवा, राजगढ़ विधायक मांगीलाल मीणा, पूर्व मंत्री शंकुतला रावत, मुंडावर विधायक ललित यादव, किशनगढ़ बास विधायक दीपचंद खोरिया, पूर्व विद्यायक गोपाल मीणा, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, शाहपुरा विधायक मनीष यादव सहित, अनेक दिग्गज कांग्रेस नेताओं के आगमन पर जगह-जगह जेसीबी मशीन से फूल बरसाकर स्वागत किया किया। इस अवसर पर मंच से आमजन को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा कि केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकार को महंगाई व बेरोजगारी की कोई फिक्र नहीं है। हर कोई राज्य में पिछली सरकार के कामों को याद कर रहा है। भाजपा धर्म साम्प्रदायिकता सम्बन्धी झगड़ों को बढ़ावा दे रही हैं।

आगामी दिनों में बिहार विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में भाजपा वहां नागरिकों की मतदाता सूची तैयार करवा रही है।

देश में अगर विपक्ष जनता के लिए आवाज उठाता है तो सरकारी संस्थाओं के माध्यम से उस पर ईडी, इनकम टैक्स जैसी कई संस्था को पीछे लगाकर उसे दबाने की कोशिश की जाती है। इस अवसर पर अलवर,जयपुर ग्रामीण व दौसा से अनेक कांग्रेस संगठन के अनेक पदाधिकारी व स्थानीय ग्रामीण महिला-पुरुष मौजूद थे।

बिहार के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआईआर के खिलाफ शीर्ष न्यायालय में याचिका दायर की जायेगी। यह राष्ट्रीय मसला है। बिहार के बाद अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया शुरु की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक यह मसला सिर्फ राज्य का होता तो इसे उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाती। चूंकि यह राष्ट्रीय स्तर का मामला है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट का दवाजा खटखटाया जायेगा। सूत्रों के अनुसार अगर सर्वोच्च न्यायालय इसे हाई कोर्ट ले जाने के लिए कहेगा तो संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में याचिका दायर की जायेगी।

पिछली सरकार के इस्तीफा प्रकरण की सुनवाई 4 सप्ताह टली

- हाई कोर्ट ने पाँच तत्कालीन विधायकों, शांति धारीवाल, महेश जोशी, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस तामील कराने के निर्देश दिए।

जयपुर, 4 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कांग्रेस के तत्कालीन 81 विधायकों के इस्तीफे देने से जुड़े मामले में 6 विधायकों द्वारा अपने और 75 विधायकों के इस्तीफे की कॉपी स्पीकर को सौंपने वाले तत्कालीन पांच विधायकों पर नोटिस तामील नहीं होने पर मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी। अदालत ने पांचों विधायकों पर नोटिस तामील कराने को कहा है। चीफ जस्टिस एम एम श्रीवास्तव और जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की खंडपीठ ने यह आदेश भाजपा नेता राजेन्द्र राठौड़ की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि अदालत की ओर से पूर्व में छह विधायकों शांति धारीवाल, महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढ़ा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। लेकिन अभी तक सिर्फ रफीक खान को ही नोटिस की तामील हुई है। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई चार सप्ताह के लिए टाल दी।

याचिका में कहा गया कि 81 विधायकों ने 25 सितंबर, 2022 को विधानसभा स्पीकर को अपने इस्तीफे दिए थे। इसके बाद याचिकाकर्ता ने कई बार स्पीकर को प्रतिवेदन देकर इस्तीफों पर निर्णय करने को कहा, लेकिन उन्होंने कोई निर्णय नहीं लिया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को कहा गया कि इस्तीफा देने के बाद इन 81 विधायकों ने वेतन भत्तों के तौर पर करीब 18 करोड़ रुपए प्राप्त किए हैं। ऐसे में इस बिन्दु पर उचित आदेश दिए जाए। इसके अलावा स्पीकर के समक्ष लंबित इस्तीफों के संबंध में निर्णय करने की अधिकतम समय सीमा तय की जाए।

अधिवक्ता हेमंत नाहटा ने बताया कि इन छह तत्कालीन विधायकों ने अपने व 75 अन्य विधायकों के इस्तीफे स्पीकर को सौंपे थे। वहीं तत्कालीन स्पीकर ने इन इस्तीफों को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया था कि विधायकों ने अपने इस्तीफे स्वेच्छा से नहीं दिए थे। इसलिए इन विधायकों को मामले में पक्षकार बनाने के लिए प्रार्थना पत्र इसलिए दायर किया था, ताकि पता चल सके कि विधायकों ने किसके दबाव में विधानसभा स्पीकर को इस्तीफे सौंपे थे।

कुंभलगढ़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिए बंद रहेगा। समिति ने तय किया है कि केवल सुबह 6 से 8 बजे और शाम 6 से 8 बजे तक जरूरी वस्तुओं की खरीद फरोख्त के लिए दुकानें खोली जाएंगी।

विवाद का असर कुंभलगढ़ में पर्यटन और स्थानीय व्यापार पर स्पष्ट रूप से दिख रहा है। शुक्रवार को दूर-दूर से आए सैकड़ों पर्यटक किले के बाहर से ही लौटते देखे गए।

होटल, दुकानें और गाइड सेवाएं सब ठप हो गई हैं। इससे ना केवल पर्यटकों को असुविधा हो रही है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर पड़ रहा है।

'चीन, पाकिस्तान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बैयरैक्टर और अन्य अनेक ड्रोन प्रदान किए।"

साथ ही, तुर्की और चीन दोनों ही भारत के प्रयासों को बढ़ने से रोकने के लिए प्रयत्नशील थे। संघर्ष के निचले स्तर पर, बीजिंग और अंकारा दोनों जानते थे कि इस्लामाबाद की भारत पर बढ़त है। दूसरी ओर, यदि भारत, पाकिस्तान के खिलाफ हमलों को तेज करके संघर्ष की स्तर को ऊपर ले जा पाता तो भारत की मूलभूत ताकतों को नज़रअंदाज़ करना मुश्किल हो जाता।

इसलिए, भारत के युद्ध के प्रयासों को जटिल बनाकर और शांति का रास्ता दिखा कर तुर्की जैसे देशों ने प्रभावी रूप से युद्ध का उपयोग अमेरिका के बाद वैश्विक व्यवस्था में अपनी खुद की स्थिति को सुधारने के लिए किया।

उन्होंने कहा कि भारत को हमेशा "एस्केलेशन लैडर" पर एक कदम आगे रहना चाहिए।

उन्होंने कहा, "जब हम एक सैन्य उद्देश्य तक पहुंच जाते हैं, तो हमें कोशिश करनी चाहिए कि उसे वहीं रोक दें, युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन उसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है। इसलिए मैं यह कहना चाहूँगा कि यह एक बहुत ही कुशल दांव था, जो युद्ध को उपयुक्त समय पर रोकने के लिए उठाया गया था।"

सिंह ने यह भी कहा कि संघर्ष विराम होने से पहले, भारत की ओर से वह कठोर प्रहार पूरी तरह तैयार था तथा पाकिस्तान को एहसास हो गया था कि वह बुरी स्थिति में पहुँच सकता है, यही कारण था कि उसने संघर्षविराम की मांग की।

सिंह ने यह स्पष्ट किया कि भारत की रणनीति अब बदल चुकी है।

उन्होंने कहा, "यदि आवश्यक हुआ तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अब दर्द सहने की कोई गुंजाइश नहीं है, जैसा कि हमने कुछ साल पहले किया था। यह एक महत्वपूर्ण संदेश है, जो स्पष्ट और बुलंद आवाज में सामने आ चुका है।"

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह के इस स्वीकारोक्ति और खुलासे, जिसे मोदी सरकार छिपाने की कोशिश कर रही है, पर नज़र डालने से यह साफ़ होता है कि रणनीति तय करने वाले ग्रुप, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शामिल थे, ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का निर्णय लेते समय चीन के कारक को ध्यान में नहीं रखा था।

युद्ध के एक पुराने अनुभवी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि सैन्य हमला शुरू करने के लिए केवल साहस से भरे शब्द ही पर्याप्त नहीं होते, ऐसा कदम उठाने के लिए सभी संभावित कारकों को ध्यान में रखते हुए व्यापक योजना बनानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सामान्य व्यक्ति भी इस बात को खारिज नहीं करता कि चीन पाकिस्तान की पूरी तरह से सहायता करेगा।

पीएम मोदी को त्रिनिदाद-टोबैगो का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला

पोर्ट ऑफ स्पेन, 04 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुक्रवार को त्रिनिदाद और टोबैगो के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ऑर्डर ऑफ द रिपब्लिक ऑफ त्रिनिदाद एंड टोबैगो से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें उनकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता, भारतीय प्रवासी समुदाय से गहरे जुड़ाव और कोविड-19 महामारी के दौरान मानवीय प्रयासों के लिए दिया गया। बता दें कि पीएम मोदी फिलहाल पांच देशों के दौरे पर हैं और त्रिनिदाद और टोबैगो की यह दो दिन की यात्रा उनका दूसरा पड़ाव है। वहीं सम्मान मिलने के बाद उन्होंने कहा, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित होकर मैं गौरवान्वित हूं।

सब लैफ्टिनैंट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एडमिरल जनक बेवली ने प्रतिष्ठित 'विंग्स ऑफ गोल्ड' पुरस्कार से सम्मानित किया।

सब लेफ्टिनेंट पूनिया नौसेना विमानन की फाइटर स्ट्रीम में शामिल होने वाली पहली महिला हैं। इससे नौसेना में महिला फाइटर पायलटों के एक नए युग का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

नौसेना में टोही विमानों और हेलीकॉप्टरों में पायलट तथा नौसेना वायु संचालन अधिकारियों के रूप में पहले से ही महिला अधिकारी काम कर रही हैं। नौसेना ने सब लेफ्टिनेंट पूनिया की इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भी दी है। पोस्ट में लिखा है , नौसेना विमानन में एक नया अध्याय। भारतीय नौसेना ने तीन जुलाई को द्वितीय बेसिक हॉक कन्वर्जन कोर्स के साथ ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया।

कांग्रेस बिहार में 5 लाख महिलाओं को सैनिटरी पैड बाँटेगी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने यह घोषणा कर यह भी बताया कि पैड के पैकेट पर राहुल गाँधी की तस्वीर होगी

पटना, 04 जुलाई। बिहार में विधानसभा चुनाव सन्निकट है और प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शुक्रवार को कांग्रेस प्रदेश के अध्यक्ष राजेश कुमार ने महिलाओं के लिए एक नई योजना की घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी राज्य की 5 लाख महिलाओं को मुफ्त सैनिटरी पैड बांटेगी। जिसके पैकेट पर राहुल गांधी की तस्वीर होगी।

कांग्रेस की इस घोषणा पर भाजपा ने कड़ा एतराज जताया है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा, "सैनिटरी पैड पर राहुल गांधी की तस्वीर लगाना बिहार की महिलाओं का अपमान है। कांग्रेस महिला विरोधी पार्टी रही है और अब वह सस्ती लोकप्रियता के लिए महिलाओं की गरिमा से खिलवाड़ कर रही है। बिहार की महिलाएं कांग्रेस और आरजेडी को चुनाव में मुंहतोड़ जवाब देंगी।"

अब देखना यह होगा कि कांग्रेस की यह नई पहल चुनावी मैदान में कितना असर डालती है और महिला वोटर्स की प्राथमिकता को कितना प्रभावित कर पाती है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि इन सैनिटरी पैड के पैकेट पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तस्वीर छपी होगी, और इसे माई-बहन मान योजना के तहत वितरित किया जाएगा।

कोचिंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोचिंग सेंटरों के विद्यार्थियों की ओर से आत्महत्या करने के मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान ले रखा है।

अमेरिका व भारत के बीच टैरिफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- अमेरिका के इस अद्भुत बर्ताव से भारत अमेरिका के आपसी संबंधों में खटास तो आनी ही थी, और इससे टैरिफ वार्ता को पटरी से उतरना ही था।

अमेरिका द्वारा लगाए गए एकतरफा शुल्क के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि भारत ने औपचारिक रूप से अमेरिका के साथ कुछ व्यापार मुद्दों पर असहमति व्यक्त की है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत के साथ एक बहुत बड़ा व्यापार समझौता जल्द ही पूरा हो जाएगा। यह दावा उन्होंने उस समय किया, जब चीन ने अमेरिका को महत्वपूर्ण दुलर्भ खनिजों (रेअर अर्थ) की आपूर्ति का समझौता हाल ही में किया था। ट्रंप ने चीन को चेतावनी दी थी कि अगर कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ तो उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

भारत के मामले में, ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में आई तल्ख़ी का असर व्यापार समझौते की गति पर भी पड़ा है।

ट्रंप ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर को वाइट हाउस में लंच के लिए आमंत्रित किया था। माना जाता है कि मुनीर के भारत और पाकिस्तान को लेकर दिए गए भड़काऊ बयान ने पहलगाम में हुई हत्याओं की पृष्ठभूमि तैयार की थी। इसके बाद से भारत और अमेरिका के रिश्ते मित्रता से हटकर एक तरह की औपचारिकता तक सीमित हो गए।

ट्रंप समझौते करने को लेकर लगातार ऐसे दावे कर रहे थे जो भारत पर दबाव डालने जैसे लगते थे। उन्होंने यह तक कह दिया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच "युद्ध विराम" उनके व्यापार प्रस्ताव के कारण संभव हो सका।

ट्रंप के दावों को भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने विभिन्न मंचों पर सिरे से खारिज किया।

ट्रंप के दावों के बाद, पाकिस्तान ने व्यक्तिगत रूप से उन्हें प्रसन्न करने की कोशिशें कीं, यहां तक कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने का प्रस्ताव दिया।

अहम् से भरी उनकी मानसिकता इस हद तक पहुँच गई कि ट्रंप ने एक बार, जब पिछले पोप का निधन हुआ, खुद को अगला पोप तक घोषित कर दिया।

अब तक दो दौर की बातचीत हो चुकी है, पहले दौर में एक उच्च स्तरीय अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। उसके बाद भारत की ओर से विशेष सचिव के नेतृत्व में एक टीम वॉशिंगटन गई थी।

वैसे भी, व्यापार समझौते जटिल प्रकिया होते हैं और इन्हें जल्दबाज़ी में नहीं निपटाया जा सकता। इन्हें अंतिम रूप देने से पहले औद्योगिक क्षेत्रों की चिंताओं को गहराई से समझना पड़ता है। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के मामले में, कुछ विशेष क्षेत्रों में बाकी बचे मुद्दों को हल किए बिना अंतिम समझौता नहीं हो सकता।

इन क्षेत्रों में कृषि एवं कृषि-आधारित उद्योग, ऑटोमोबाइल, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद, वस्त्र, प्लास्टिक, रसायन, झींगा और अंगूर जैसे अनेक श्रमिक-प्रधान क्षेत्र शामिल हैं। यह उल्लेखनीय है कि अंगूर एक महत्वपूर्ण वस्तु बन गए हैं क्योंकि भारतीय किसान अब शराब उत्पादन के लिए उपयुक्त उच्च गुणवत्ता वाले अंगूर उगा रहे हैं।

अमेरिका ने नट्स, डेयरी उत्पादों और अन्य वस्तुओं पर शुल्क रियायतों का प्रस्ताव दिया ह

हालिया दौर के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि बातचीत विभिन्न क्षेत्रों में मतभेदों के कारण रुक गई है। फिलहाल भारत को अमेरिका की ओर से अधिक शुल्क का सामना करना पड़ सकता है।

'लंगड़े बारात के घोड़े, "रेस हॉर्स"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- गुलाम नबी भी गहमागहमी में पार्टी छोड़ तो गए, पर अब "लाइट वेट" जयराम रमेश जैसे लोग उन्हें पुनः पार्टी में प्रवेश नहीं दे रहे हैं।
- ज्योतिरादित्य सिंधिया व आर.पी.एन. सिंह भाजपा में शामिल हो गए। क्योंकि कांग्रेस में उन्हें वो मान-सम्मान नहीं मिल रहा।
- अब अगली बारी शशि थरुर की है।

हैं, आज पूरी तरह से किनारे कर दिए गए हैं और उनकी वापसी की भी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि उन्होंने सोनिया गांधी के नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया था तथा नेतृत्व के साथ विश्वासघात किया था। वे इतिहास के कूड़ेदान का हिस्सा हो गये हैं तथा अब उनके पुनरागमन की कोई संभावना नहीं दिखती, भले ही कांग्रेस के कई नेता उनके पक्ष में हों।

कमलनाथ भी अब पार्टी से बाहर हैं। उन्होंने गांधी परिवार के लिए लंबे समय तक काम किया और उसकी वित्तीय सुरक्षा का भी ध्यान रखा। लेकिन जब राहुल गांधी मध्य प्रदेश के संदर्भ में "लंगड़े घोड़े" की बात करते हैं, तो शायद उनका इशारा कमलनाथ की ओर ही होता है।

हरियाणा के वरिष्ठ नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा के घर हर दिन राजनीतिक आगन्तुकों की भीड़ लगी रहती है, लेकिन राहुल गांधी को लगता है कि हुड्डा को अब राजनीति से रिटायर हो जाना चाहिए ,क्योंकि वे राजनीति के लिए उपयोगी नहीं रहे हैं।

ऐसे उदाहरण हर राज्य में मिल जाएंगे। अब शशि थरूर को भी दरकिनार करने या उन्हें पार्टी से बाहर करने की कोशिश चल रही है, जबकि बाकी दुनिया उन्हें एक असैट के रूप में देखती है।

गुलाम नबी आजाद, जिनके पास अपार संगठनात्मक अनुभव है, केवल इसलिए पार्टी से बाहर हो गए, क्योंकि उन्होंने कुछ सच्चाई बोल दी थी। जब उन्होंने पार्टी में वापस आने की कोशिश की, तो जयराम रमेश जैसे आधारहीन नेताओं ने ऐसा नहीं होने दिया।

मनीष तिवारी न केवल प्रतिभाशाली हैं, बल्कि बहुत स्पष्ट वक्ता भी हैं। लेकिन उन्हें भी किनारे कर दिया गया, क्योंकि वे राहुल गांधी के चापलूसी वाले ब्रांड में फिट नहीं बैठते।

ज्योतिरादित्य सिंधिया तथा आरपीएन सिंह जैसे कई प्रतिभाशाली नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में चले गए, क्योंकि उनसे काम तो खूब लिया गया, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें उनका वाजिब हक नहीं दिया।

ऐसे नेताओं की सूची बहुत लंबी है, जो खुद को उपेक्षित महसूस करते है और जिन्हें लगता है कि उन्हें पार्टी की सेवा के लिए प्रशंसा नहीं मिल रही है।

जब राहुल गांधी कहते हैं कि बारात के घोड़े रेस के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं और रेस के घोड़े बारात में, तब पार्टी का एक चतुर सदस्य टिप्पणी करता है: "यह बात अन्य बहुत से लोगों की अपेक्षा राहुल गांधी पर ही सबसे ज़्यादा लागू होती है!" लेकिन उनसे यह बात कहे कौन?

राहुल गांधी का मुख्य निशाना अहमद पटेल थे। उन्होंने उन्हें हटाने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा दिया था। ने अहमद - मुक्त कांग्रेस चाहते थे। लेकिन कुदरत ने अपना काम किया और अहमद पटेल शीघ्र ही दुनिया से विदा हो गए।

आज की राहुल गांधी की कांग्रेस अव्यवस्था, राजनीतिक समझ की कमी और अनुभवहीन युवा नेताओं के भरोसे चल रही है और राहुल उन्हीं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इनमें से ज्यादातर 'घोड़े' चुनावी रणभूमि में नाकाम हो रहे हैं।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908